MSNTARGET.COM

https://msntarget.com

वियतनाम में भीषण हादसा नाव पलटने से 15 भारतीयों की मौत

विषय सूची (Table of Contents):

>> वियतनाम नाव हादसा फू क्वोक द्वीप के पास पलटी नाव, 15 भारतीय पर्यटकों की मौत...
>> भारतीय दूतावास ने एक्स (X) पर दी आधिकारिक जानकारी...
>> कैसे हुआ यह दर्दनाक हादसा तट से महज 400 मीटर दूर समुद्र में डूबी नाव...
>> तट के करीब होने के बावजूद क्यों नहीं बच सकीं जानें?...
>> 36 लोग थे सवार 15 भारतीयों की गई जान, 21 लोगों को सुरक्षित बचाया गया...
>> सवार लोगों का पूरा विवरण...
>> हादसे का कारण समुद्र में उठीं ऊंची लहरें, प्रशासन कर रहा मामले की जांच...
>> तकनीकी खराबी और ओवरलोडिंग के कोण से भी जांच जारी...
>> भारतीय दूतावास की त्वरित कार्रवाई स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर बचाव अभियान ज...
>> हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में खुले इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर...
>> पीएम नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा शोक, आंध्र प्रदेश सरकार भी रख रही घटना पर नजर...
>> आंध्र प्रदेश सरकार ने शुरू की छानबीन...
>> प्रभावित परिवारों के लिए सहायता दूतावास ने जारी किए इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर्स...
>> हो ची मिन्ह सिटी (Consulate General) के हेल्पलाइन नंबर ...
>> हनोई (Embassy) का हेल्पलाइन नंबर ...
>> निष्कर्ष (Conclusion)...
>> जनता के सवाल (FAQs)...

वियतनाम से एक बेहद ही दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। वियतनाम के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल फू क्वोक द्वीप (Phu Quoc Island) के पास शनिवार को भारतीय पर्यटकों से भरी एक नाव समुद्र में अचानक पलट गई। इस भीषण हादसे में 15 भारतीय नागरिकों की असामयिक मृत्यु हो गई है। यह घटना उस समय हुई जब लोग अपनी छुट्टियां मनाने वहां पहुंचे थे, लेकिन पल भर में ही यह खुशनुमा सफर एक बड़े हादसे में तब्दील हो गया। स्थानीय प्रशासन द्वारा तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है और हनोई व हो ची मिन्ह सिटी में इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर स्थापित किए गए हैं।

वियतनाम नाव हादसा: फू क्वोक द्वीप के पास पलटी नाव, 15 भारतीय

शनिवार को वियतनाम के सबसे बड़े और खूबसूरत द्वीपों में से एक, फू क्वोक द्वीप के नजदीक समुद्र में एक बड़ा नाव हादसा (Vietnam Boat Capsized) हो गया। प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, नाव में सवार भारतीय पर्यटक वीकेंड का आनंद लेने के लिए निकले थे। अचानक हुए इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई है। वियतनाम में मौजूद भारतीय दूतावास ने

इस दुखद खबर की पुष्टि की है और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन की वर्तमान स्थिति (Current Status) पर लगातार नजर बनाए हुए है।

भारतीय दूतावास ने एक्स (X) पर दी आधिकारिक जानकारी

हादसे की जानकारी मिलते ही हनोई में स्थित भारतीय दूतावास (Embassy of India, Hanoi) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस बात की पुष्टि की। दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि कुछ घंटे पहले फू क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गई है। दूतावास के अधिकारी स्थानीय प्रशासन के साथ निरंतर संपर्क में हैं और खोज अभियान को तेज करने का प्रयास किया जा रहा है।

कैसे हुआ यह दर्दनाक हादसा: तट से महज 400 मीटर दूर समुद्र में

स्थानीय मरीन अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह भीषण दुर्घटना उस समय हुई जब नाव अपनी यात्रा पूरी करके वापस लौट रही थी। यह नाव होन मे रुट (Hon May Rut) द्वीप से पर्यटकों को लेकर एन थोई (An Thoi) पोर्ट की तरफ आ रही थी। अभी नाव किनारे से महज 400 मीटर की दूरी पर ही थी कि अचानक अनियंत्रित होकर समुद्र के गहरे पानी में समा गई।

तट के करीब होने के बावजूद क्यों नहीं बच सकी जानें?

चूंकि नाव तट से सिर्फ 400 मीटर दूर थी, इसलिए स्थानीय मछुआरों और तटीय सुरक्षा बलों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। हालांकि, पानी का बहाव तेज होने और अचानक नाव के पलटने के कारण अंदर बैठे लोगों को संभलने का मौका नहीं मिला। अधिकारियों ने बताया कि यदि यह हादसा गहरे समुद्र में हुआ होता तो हताहतों की संख्या और भी अधिक हो सकती थी। हादसे के बाद पूरे एन थोई पोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और अन्य नावों के संचालन पर अस्थाई रोक लगा दी गई है।

36 लोग थे सवार: 15 भारतीयों की गई जान, 21 लोगों को सुरक्षित

अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी रॉयटर्स (Reuters) की नवीनतम रिपोर्ट (Latest Update) के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुई इस बदकिस्मत नाव में कुल 36 लोग सवार थे। स्थानीय प्रशासन ने रेस्क्यू किए गए लोगों की सूची (List) तैयार कर ली है ताकि उनके परिजनों तक सही जानकारी पहुंचाई जा सके।

सवार लोगों का पूरा विवरण

>> कुल सवार लोग:36 व्यक्ति

>> भारतीय पर्यटक:32 नागरिक

>> क्रू मेंबर्स (चालक दल):3 वियतनामी नागरिक

>> अटेंडेंट (नाव सहायक):1 व्यक्ति

स्थानीय गोताखोरों और तटरक्षक बलों (Coast Guard) की मुस्तैदी के कारण 21 लोगों को समुद्र की लहरों से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बचाए गए लोगों में से कुछ को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, इस हादसे में 15 भारतीय पर्यटकों को नहीं बचाया जा सका और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं।

हादसे का कारण: समुद्र में उठीं ऊंची लहरें, प्रशासन कर रहा मा

शुरुआती जांच और चश्मदीदों के बयानों के आधार पर यह बात सामने आ रही है कि हादसे के वक्त समुद्र का मिजाज बहुत खराब था। मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण समुद्र में बेहद ऊंची और शक्तिशाली लहरें उठ रही थीं। इन्हीं लहरों के थपेड़ों को नाव बर्दाश्त नहीं कर सकी और उसका संतुलन बिगड़ गया, जिसके बाद नाव पलट गई।

तकनीकी खराबी और ओवरलोडिंग के कोण से भी जांच जारी

यद्यपि प्राथमिक कारण खराब मौसम और ऊंची लहरों को माना जा रहा है, लेकिन वियतनाम का स्थानीय प्रशासन अन्य पहलुओं की भी गहन जांच कर रहा है। अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या नाव में क्षमता से अधिक लोग सवार थे या फिर नाव में कोई तकनीकी खराबी (Technical Snag) थी। इसके साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या पर्यटकों को नियमानुसार लाइफ जैकेट (Life Jackets) प्रदान की गई थीं या नहीं। प्रशासन ने जांच रिपोर्ट जल्द से जल्द जारी करने की बात कही है।

भारतीय दूतावास की त्वरित कार्रवाई: स्थानीय अधिकारियों के साथ

हादसे के तुरंत बाद भारत सरकार एक्शन मोड में आ गई। वियतनाम में भारत के राजदूत और वाणिज्य दूतावास के अधिकारी लगातार वियतनामी विदेश मंत्रालय और फू क्वोक के स्थानीय अधिकारियों से संपर्क साध रहे हैं। प्रभावित परिवारों की सहायता और स्थिति की जांच (Status Check) के लिए तुरंत कदम उठाए गए हैं।

हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में खुले इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर

भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए वियतनाम के दो प्रमुख शहरों हनोई और हो ची मिन्ह सिटी (Ho Chi Minh City) में तत्काल प्रभाव से आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र (Emergency Response Centers) सक्रिय कर दिए गए हैं। इन सेंटरों के माध्यम से पीड़ितों के परिजनों को आवश्यक दस्तावेज तैयार करने, चिकित्सा सहायता दिलाने और शवों को भारत वापस भेजने की प्रक्रियाओं को सुगम बनाया जा रहा है। भारत में बैठे लोग भी आधिकारिक वेबसाइटों के जरिए ऑनलाइन अपडेट (Apply Online Check Updates) देख सकते हैं।

नोट: यदि आप भारत के कानूनों या कानूनी नियमों के बारे में जानना चाहते हैं, तो इंडिया कोड: भारत के सभी कानून और अधिनियम अब एक ही पोर्टल पर! लिंक पर जाकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जताया गहरा शोक, आंध्र प्रदेश सरकार भी र

इस भीषण और हृदयविदारक हादसे पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। पीएम मोदी ने कहा कि वियतनाम के फू क्वोक में भारतीय नागरिकों से जुड़े नाव हादसे की खबर से वे अत्यंत दुखी हैं और घायल जीवित बचे लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार ने शुरू की छानबीन

इस बीच, भारत के विभिन्न राज्यों से भी इन पर्यटकों के संबंध होने की खबरें आ रही हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और राज्य प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि इस हादसे में आंध्र प्रदेश के कितने नागरिक प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय लगातार विदेश मंत्रालय (MEA) के संपर्क में है ताकि हताहतों में शामिल अपने राज्य के निवासियों की पहचान की जा सके और उनके परिवारों को तुरंत सूचित किया जा सके।

यह भी पढ़ें: राजनीति और चुनावों से जुड़ी अन्य बड़ी खबरों के लिए आपभजे के बाद! बंगाल में भाजपा की बिदास जीत पर मुस्लिम सीटों पर क्या प्रभाव, जानें यहाँ! पढ़ सकते हैं।

प्रभावित परिवारों के लिए सहायता: दूतावास ने जारी किए इमरजेंस

भारतीय दूतावास ने उन परिवारों की मदद के लिए 24 घंटे सक्रिय रहने वाले हेल्पलाइन नंबर (Helpline Numbers) जारी किए हैं, जिनके रिश्तेदार वर्तमान में वियतनाम की यात्रा पर हैं या फू क्वोक द्वीप पर मौजूद थे। किसी भी प्रकार की पूछताछ, स्थिति

की जांच (Status Check) या सहायता के लिए इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

हो ची मिन्ह सिटी (Consulate General) के हेल्पलाइन नंबर:

>> नंबर 1: 84 36 281 7930

>> नंबर 2: 84 91 552 37 14

>> नंबर 3: 84 33 452 0414

हनोई (Embassy) का हेल्पलाइन नंबर:

>> आपातकालीन नंबर: 84 91 308 9165

दूतावास ने आश्वस्त किया है कि वे हर संभव मदद के लिए तैयार हैं और पीड़ितों के परिजनों को किसी भी प्रकार की कागजी कार्रवाई में असुविधा नहीं होने दी जाएगी। विस्तृत जानकारी के लिए आधिकारिक पीडीएफ (PDF) गाइडलाइन और दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है।

विशेष जानकारी: यदि आप शिक्षा और छात्रवृत्ति से जुड़ी खबरें तलाश रहे हैं, तो प्रतिभा को मिलेगा पंख! ब्रज किशोर तिवारी स्कॉलरशिप के बारे में यहां पढ़ें।

निष्कर्ष (Conclusion)

वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हुआ यह नाव हादसा अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों में फू क्वोक द्वीप भारतीय पर्यटकों के बीच एक बेहद लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनकर उभरा है, जिसके चलते वहां बड़ी संख्या में भारतीय छुट्टियां बिताने जाते हैं। इस घटना ने एक बार फिर पर्यटन स्थलों पर सुरक्षा मानकों और मौसम के पूर्वानुमानों की महत्ता को रेखांकित किया है। उम्मीद है कि वियतनाम सरकार की विस्तृत जांच के बाद हादसे की असली वजह सामने आएगी और भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। भारत सरकार और वियतनाम में मौजूद भारतीय दूतावास इस संकट की घड़ी में पीड़ितों के साथ मजबूती से खड़े हैं।

जनता के सवाल (FAQs)

यह दुखद हादसा शनिवार (11 जुलाई 2026) को वियतनाम के फू क्वोक द्वीप (Phu Quoc Island) के पास समुद्र में हुआ।

इस दर्दनाक नाव हादसे में कुल 15 भारतीय पर्यटकों की डूबने से मौत हो गई है।

नाव में कुल 36 लोग सवार थे, जिनमें 32 भारतीय पर्यटक, 3 क्रू मेंबर और 1 अटेंडेंट शामिल थे। इनमें से 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, नाव होन मे रुट द्वीप से पर्यटकों को लेकर वापस एन थोई पोर्ट की ओर लौट रही थी।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक घटना के समय समुद्र में मौसम खराब था और काफी ऊंची लहरें उठ रही थी, जिससे नाव असंतुलित होकर पलट गई। असली वजहों की जांच जारी है।

नही, नाव एन थोई पोर्ट के तट से करीब 400 मीटर की दूरी पर ही थी जब यह दुर्घटना का शिकार हुई।

भारतीय दूतावास ने हो ची मिन्ह सिटी और हनोई में तत्काल इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर (कंट्रोल रूम) बनाए हैं और चौबीसों घंटे चालू रहने वाले हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

हो ची मिन्ह सिटी वाणिज्य दूतावास के हेल्पलाइन नंबर 84 36 281 7930, 84 91 552 37 14 और 84 33 452 0414 हैं।

हनोई में बनाए गए आपातकालीन कंट्रोल रूम का हेल्पलाइन नंबर 84 91 308 9165 है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है, मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई है और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि वे जानकारी जुटा रहे हैं कि इस हादसे में उनके राज्य के कितने नागरिक प्रभावित हुए हैं, हालांकि अभी सटीक संख्या की पुष्टि नहीं हुई है।